हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

11 नसीबपुर क्षेत्र में 8 अवैध पेयजल कनेक्शन...

12 फायर एनओसी बिना चल रहे कई होटल, बड़े...

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था-तो अब इंतजार किस बात का

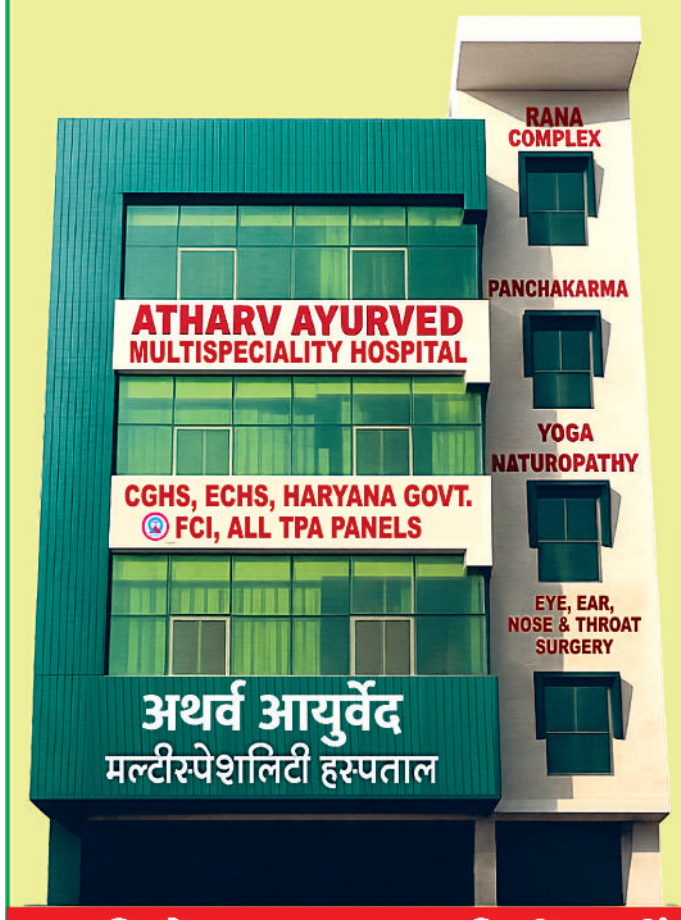

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक Contact: 01262-257211 8053928881, 8053128881

Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में
CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें
बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद-पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक स्पैशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।
पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

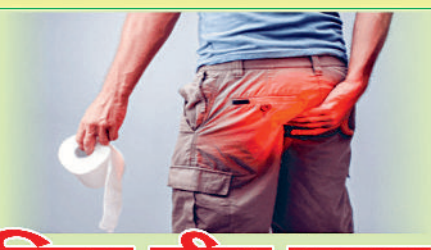

बिना चीर फाड़
Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो
हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में
आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं
*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain
जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, लकवा, नसों का फूलना/ कमजोरी आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैथुरोपैथी
पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

गुर्दे-शुगर-बी. पी.
बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं
- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का
बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

नये-पुराने सभी दर्दों में अग्निकर्म, रक्तमोक्षण से तुरन्त आराम

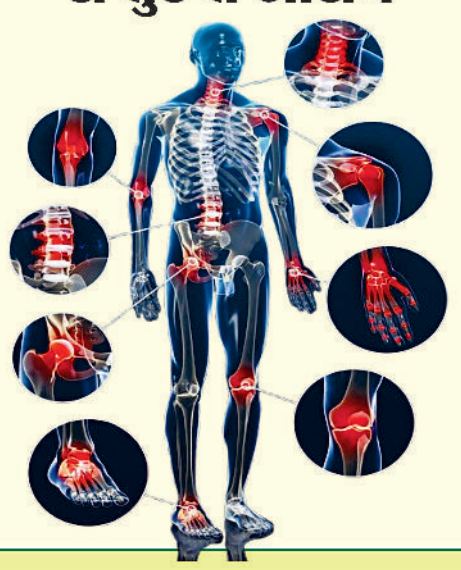

फिज़ीयोथैरेपी

आधुनिक मशीनों एवं क्वाईपफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न, जोड़ों, मांस-पेशियों नसों की कमजोरी, चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी, स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

योग नैचुरोपैथी
से
बिना दवा ईलाज

शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति
स्वस्थ लम्बा जीवन पायें;
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

अनपढ़ या बुजुर्गों को लगाने पड़ रहे मजिस्ट्रेट दफ्तर के चक्कर

पैन कार्ड बनवाने के नियम बदले: अब आधार अकेला नहीं चलेगा, जन्मतिथि के लिए अलग वैध दस्तावेज जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पैन कार्ड बनवाने के लिए अब आपको आधार कार्ड के साथ जन्मतिथि का दस्तावेज देना जरूरी कर दिया है। आयकर विभाग ने एक अप्रैल से पैन कार्ड आवेदन प्रक्रिया में बड़े बदलाव लागू कर दिए है। नए नियमों के अनुसार अब केवल आधार कार्ड के आधार पर पैन कार्ड नहीं बन सकेगा। आवेदकों को जन्मतिथि सत्यापन के लिए अलग से वैध दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। साथ ही पुराने आवेदन फॉर्म भी बंद कर दिए गए है और नए फॉर्म लागू किए गए है। नियमों में बदलाव का मुख्य उद्देश्य पहचान सत्यापन को मजबूत करना तथा फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से पैन कार्ड जारी होने की संभावनाओं को कम करना है। अब यदि कोई व्यक्ति नया पैन कार्ड बनवाना चाहता है या पुराने पैन में संशोधन करवाना चाहता है तो उसे आधार के अलावा जन्मतिथि का अलग प्रमाण देना होगा।

- पहचान सत्यापन को मजबूत करना नियमों में बदलाव का मुख्य उद्देश्य

पुराने आवेदन फॉर्म भी बंद कर दिए और नए फॉर्म लागू किए

नारनौल। सीएससी सेंटर। फोटो: हरिभूमि

जन्मतिथि के लिए मान्य दस्तावेज होंगे

जन्म प्रमाण पत्र : नगरपालिका, जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रार या अधिकृत प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र सबसे प्रमुख दस्तावेज माना जाएगा। विशेष रूप से एक अक्टूबर 2023 के बाद जन्मे बच्चों के लिए यह अनिवार्य दस्तावेज है।

दसवीं कक्षा की अंकतालिका या मैट्रिक प्रमाण पत्र : सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी मैट्रिक प्रमाण पत्र जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में मान्य होगा।

पासपोर्ट : भारत सरकार द्वारा जारी वैध या समाप्त हो चुका पासपोर्ट जिसमें जन्मतिथि स्पष्ट रूप से अंकित हो स्वीकार किया जाएगा।

ड्राइविंग लाइसेंस : परिवहन विभाग द्वारा जारी ड्राइविंग लाइसेंस भी जन्मतिथि प्रमाण के रूप में मान्य रहेगा।

मतदाता पहचान पत्र : यदि मतदाता पहचान पत्र में जन्मतिथि अंकित है तो इसे भी स्वीकार किया जाएगा।

डोमिसाइल प्रमाण पत्र : राज्य सरकार द्वारा जारी डोमिसाइल प्रमाण पत्र जिसमें जन्मतिथि दर्ज हो मान्य दस्तावेज माना जाएगा।

सरकारी फोटो पहचान पत्र : केंद्र या राज्य सरकार द्वारा जारी ऐसा पहचान पत्र जिसमें जन्मतिथि स्पष्ट रूप से दर्ज हो वह कार्ड भी स्वीकार किया जा सकता है।

मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किया गया हलफनामा : पैन कार्ड बनवाने या उसमें सुधार करने के लिए आपको जन्म तिथि में मजिस्ट्रेट के समक्ष शपथ लेकर तैयार कराया गया और उनके द्वारा हस्ताक्षरित हलफनामा जन्म तिथि के वैध सबूत के तौर पर पूरी तरह स्वीकार्य है।

बुजुर्गों को हो रही परेशानी

पैन कार्ड बनवाने ले लिए अनपढ़ या बुजुर्ग लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीएससी संचालक सुदेश कुमार ने बताया कि बहुत से बुजुर्गों के पास जन्मतिथि का पुख्ता प्रमाण नहीं होने के कारण परेशानी हो रही है। ऐसे में उनको मजिस्ट्रेट दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ रहे है क्योंकि पैन कार्ड अथॉरिटी साधारण नोटरी को खारिज कर सकती है। इसलिए बुजुर्गों को सीधे कोर्ट या मजिस्ट्रेट कार्यालय से ही इसे प्रमाणित करवाना चाहिए। साथ में उन्होंने यह भी कहा है कि सत्यापित ऑफिस या भरोसे मंद व्यक्ति से ही पैन कार्ड बनवाए अन्यथा आपको आगे चल कर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

आधार क्यों नहीं होगा मान्य

नए नियमों के अनुसार आधार कार्ड पहचान और पते के प्रमाण के रूप में उपयोग किया जा सकता है लेकिन जन्मतिथि के एकमात्र प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि कोई आवेदक केवल आधार कार्ड लगाकर आवेदन करता है तो उसका आवेदन निरस्त किया जा सकता है। हालांकि पहले केवल आधार कार्ड दस्तावेज पर ही पैन कार्ड जारी किया जाता था लेकिन अब आयकर विभाग ने नियमों में बदलाव कर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आवेदन से पहले आधार और अन्य दस्तावेजों में नाम, जन्मतिथि तथा अन्य विवरणों का मिलान अवश्य कर लें। किसी भी प्रकार की जानकारी में अंतर होने पर आवेदन अटक सकता है या अस्वीकृत हो सकता है। साथ ही नए निर्धारित आवेदन फॉर्म का ही उपयोग करे क्योंकि पुराने फॉर्म अब स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

दो घंटे के भीतर आरोपितों को गिरफ्तार करने का मिला आश्वासन

महिला की हत्या के बाद भड़के ग्रामीण शव रखकर सड़क पर लगाया जाम

चेलावास में जमीनी विवाद को लेकर महिला की हत्या का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

गांव चेलावास में वीरवार रात्रि के समय जमीनी विवाद को लेकर एक 52 वर्षीय महिला की बेरहमी से हत्या करने के बाद पीड़ित परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। मृतका ओमपती के हत्यारोपितों की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजनों व ग्रामीणों ने शनिवार दोपहर करीब 12 बजे महेंद्रगढ़ कनीना रोड को उन्हाणी के समीप शव रखकर चक्का जाम कर दिया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि हत्या के नामजद आरोपित लखीराम, बिमला व कविता अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने शुरुआती जांच में कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया।

नाराज ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक मुख्य आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होती, उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई। जिससे वाहन चालकों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कनीना। उन्हाणी के समीप जाम लगाने वालों को समझाते थाना इंचार्ज राकेश कुमार। फोटो: हरिभूमि

सूचना मिलने पर डीएसपी भारत भूषण, सदर थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार, सिटी थाना प्रभारी राकेश कुमार व नायब तहसीलदार पौरूष पहल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर शांत कराया तथा दो घंटे के भीतर आरोपितों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। इसके बाद सड़क से जाम हटा दिया और शव को किनारे रखकर धरने पर बैठ गए। परिजन आरोपितों की गिरफ्तारी होने तक शव का अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़े रहे। लिहाजा शनिवार सायं तक महिला का अंतिम संस्कार नहीं हो सका।

जेठ की शिकायत पर किया केस दर्ज

पुलिस ने मृतका के जेठ सुरेंद्र की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। शिकायतकर्ता सुरेंद्र के अनुसार उनके छोटे भाई स्वर्गीय राजसिंह की पत्नी ओमपती का अपने देवर विनोद के साथ जमीन को लेकर पिछले समय से विवाद चल रहा था। घटना की रात करीब 12 बजे ओमपती के बेटे जयभगवान, जो घर से बाहर रहता है, उन्हें फोन कर उसकी मां के साथ मारपीट करने की सूचना दी। सुरेंद्र शीघ्रता से मौके पर पहुंचा, तो ओमपती के घर का गेट बंद था तथा बाहर कविता व बिमला पत्नी ओमप्रकाश लाठी लेकर खड़ी थी। घर के अंदर से चीखने चिल्लाने की आवाजें आ रही थीं। कुछ देर में जब गेट खुला, तो अंदर से लखिराम हाथ में फरसा लिए, विनोद व संदीप हाथ में बरछी लिए तथा उनके साथ दो अन्य युवक, जिसमें एक गांव के पंडितों का लड़का व एक अज्ञात बाहर निकले और गाड़ी में बैठकर फरार हो गए। डीएसपी डॉ. कविता ने बताया कि हत्यारोपितों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुनः जाम की तैयारी

पुलिस प्रशासन की ओर से दो घंटे में आरोपितों को गिरफ्तार करने के आश्वासन के बाद सकारात्मक परिणाम न मिलने पर परिजनों व ग्रामीणों ने उन्हाणी मोड़ पर सड़क को पुनः जाम करने की तैयारी कर दी। मामला पेचिदा बनने पर पुलिस प्रशासन के गले की फांस बनता दिखाई दे रहा है। ईधर, डीएसपी भारत भूषण ने बताया कि पुलिस ने तीन लोगों को राउंडअप किया है। जिनसे गहनता से पूछताछ की जा रही है।

इस मामले में शामिल हैं हत्यारोपित

महिला की हत्या के मामले में आरोपित युवक संदीप एक अन्य मामले में शामिल है। जिसकी शिकायत महिला की ओर से थाने में दी गई थी। जानकारी के अनुसार चेलावास में ट्यूबवेल पर बने मकान में रह रही अकेली विधवा महिला के घर में रात के समय जबरन घुसकर जान से मारने की नीयत से हाउस ब्रेकिंग करने की शिकायत पुलिस को दी गई थी। इतना ही नहीं थाने के बाद अब उपपुलिस अधीक्षक को भी लिखित शिकायत सौंपकर न्याय व सुरक्षा की गुहार लगाते हुए सीसीटीवी फुटेज भी दी थी। जिसमें एक हत्यारोपित संदीप कुमार का नाम सामने आया था। दी गई शिकायत में गांव चेलावास निवासी 55 वर्षीय विधवा प्रेम देवी ने कहा था कि उसका बेटा दिल्ली में रहता है और वह गांव में कुएं पर बने मकान में अकेली रहती हैं। बीती 29 अप्रैल की रात करीब साढ़े नौ बजे जब वह सो रही थी, तब दो अज्ञात व्यक्ति गलत नीयत से उनके घर में घुस आए। भनक लगने पर जब पीड़िता ने शोर मचाया तो आरोपित मौके से भागने में कामयाब हो गए। डर के मारे पीड़िता ने अपनी बहन के लड़के राजबीर के घर शरण ली। पीड़िता ने बताया कि पूर्व में मिली धमकियों के कारण सुरक्षा के लिए घर में सीसीटीवी कैमरे लगवा रखे हैं। अगली सुबह जब उनके भानजे विक्रम ने फुटेज चेक की, तो उसमें बाहर खड़ा मुख्य आरोपित साफ नजर आ गया, जिसकी पहचान आरोपित संदीप निवासी चेलावास के रूप में हुई। संदीप के साथ एक अन्य अज्ञात व्यक्ति भी था, जो घर के अंदर घुसा था। पीड़िता का आरोप है कि संदीप से उनका पुराना पारिवारिक विवाद चल रहा है। प्रेम देवी ने बताया कि इस संबंध में एक मई को शहर थाना में शिकायत दी गई थी, जिसकी जांच एलएएसआई स्नेहलता को दी गई, लेकिन पुलिस ने आरोपित संदीप को थाने बुलाकर महज खानापूर्ति कर छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने ठह मई को डीएसपी कनीना को शिकायत दी। जिसकी जांच थाना इंचार्ज राकेश कुमार को दी गई। आरोप है कि पुलिस ने कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की। उस शिकायत पर कार्रवाई हुई होती, तो महिला ओमपती की जांच बच सकती थी।

न्यूज डायरी

सुभाष स्टेडियम में पुलिस का जागरूकता अभियान

नारनौल। सुभाष स्टेडियम में महिला थाना पुलिस टीम की ओर से बच्चों व युवाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को नशे की बुरी लत और साइबर अपराधों के प्रति सचेत करना था, ताकि वे एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकें। कार्यक्रम के दौरान महिला थाना की निरीक्षक मंजूषा ने उपस्थित सभी युवाओं, नौजवानों और बच्चों को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि नशा न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नष्ट करता है।

एसडीएम ने तालाब का किया उद्घाटन

नारनौल। जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार को गांव भांडोर नीची में सहगल फाउंडेशन द्वारा निर्मित तालाब का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम महेंद्रगढ़ योगेश सैनी व विशिष्ट अतिथि डीसीएफ वीरेंद्र सिंह ने फीता काटकर तालाब को जनता को समर्पित किया। सडीएम योगेश सैनी ने कहा कि सहगल फाउंडेशन का यह प्रयास भू-जल स्तर बढ़ाने और किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होगा।

नशा मुक्ति केंद्र व वृद्ध आश्रम का किया निरीक्षण

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने शनिवार को क्षेत्र के सामाजिक और कल्याणकारी संस्थानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने माधव नशा मुक्ति केंद्र व नसीबपुर स्थित सेवा सीनियर सिटीजन होम का निरीक्षण कर वहां दी जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सेवा सीनियर सिटीजन होम के निरीक्षण के दौरान सचिव नीलम कुमारी ने वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की। उन्होंने बुजुर्गों के रहने के कमरों, रसोईघर और चिकित्सा कक्ष की बारीकी से जांच की।

जन्मदिन को बनाया सेवा का पर्व

नारनौल। आज के दौर में जहां जन्मदिन पार्टियों और दिखावे पर अधिक खर्च किए जाते है। वहीं युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सदस्यों ने समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। संस्था के कर्मठ सदस्य दीपक सैनी ने अपना जन्मदिन बाबा मुकंददास गोशाला में गायों को हरा चारा खिलाकर मनाया और गोसेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर संस्था के सदस्य मनोज ठाकुर ने बताया कि संगठन से जुड़े युवा सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते है। संस्था का उद्देश्य युवाओं में सेवा, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

महेंद्रगढ़। पानी की जांच करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बुचौली में दूसरे दिन भी चला लार्वा अभियान, 172 घरों की हुई जांच

महेंद्रगढ़। डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग का लार्वा जांच अभियान गांव बुचौली में शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। टीम ने घर-घर जाकर पानी के स्रोतों की जांच की और ग्रामीणों को मच्छर जनित रोगों से बचाव के उपाय बताए। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूनम रैबारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य निरीक्षक रणबीर सिंह, स्वास्थ्य कर्मी मुकेश चौहान, रेणू कुमारी, सोनू और आशा वर्कर उर्मिला व तारामणी ने अभियान चलाया। टीम ने बुचौली के 172 घरों में कूलर, टंकी, गमले, टायर व अन्य जलपात्रों की जांच की। जांच में छह घरों में मच्छर लार्वा मिलने पर मौके पर ही नोटिस जारी कर जलपात्र खाली करवाए गए और लार्वा नष्ट किया गया। साथ ही बुखार से पीड़ित चार मरीजों की रक्त पट्टिका बनाकर जांच के लिए भेजी गई।

जांगिड़ समाज ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

महेंद्रगढ़। जांगिड़ ब्राह्मण कल्याण सभा कार्यालय में प्रधान राजेश कुमार लावनिया की अध्यक्षता एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि हमारे समाज की जांगिड़ समाज के राज्यसभा के पूर्व सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा राज्यसभा में 269वें सत्र में 8-12-2025 को शून्य काल के दौरान एक प्रश्न उठाया था। जिसका विषय लघु कुटीर एवं सूक्ष्म इकाइयों को कठोर एनजीटी एवं पर्यावरणीय नियमों से छूट व मुक्त करने का था। इस पर संज्ञान लेते हुए पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा एक जून को उपरोक्त विषय के संदर्भ में पत्र जारी कर सभी प्रकार के लघु कुटीर एवं सूक्ष्म इकाइयों को एनजीटी एवं पर्यावरण नियमों से छूट प्रदान करने संबंधी पत्र जारी किया गया है, जिसका प्रधान के द्वारा लड्डू बांटकर खुशियां मनाई और आभार जताया गया।

महेंद्रगढ़। कार्यालय में बैठक करते हुए। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। डॉ. कृष्णा आर्या को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

डॉ. कृष्णा आर्या के लोकगीतों ने जमाया एसजीटी यूनिवर्सिटी में रंग

नारनौल। लोकसंस्कृति, लोकसाहित्य, शिक्षा एवं बहुद्देशीय संस्था प्रज्ञा, लोकायन एवं एसजीटी विश्वविद्यालय के सौजन्य से एसजीटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम के सभागार में तीन दिवसीय संशोधन परिषद कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय भारतीय लोकसंस्कृति, लोकजीवन सामाजिक चेतना के निर्माण में लोकनायक व लोकनायिकाओं की समाज के प्रति भूमिका एवं सामाजिक अवदान रहा। कार्यशाला में विभिन्न प्रांतों से आए शिक्षाविद, पत्रकार, साहित्यकार व पत्र पत्रिकाओं के संपादक, मिडिया से जुड़े लोगों ने लोकसंस्कृति के विविध आयामों पर अपने श्रेष्ठतम शोधपत्र प्रस्तुत किए जिनपर खुलकर विमर्श किया गया और वो पेपर चर्चा के केंद्र में रहे। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में संस्कृति संरक्षण के अनेक विकल्प उभरकर सामने आए।

विद्यार्थियों ने जाना देश की सांस्कृतिक धरोहरों का महत्वः जयप्रकाश

महेंद्रगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाढोत में आयोजित भाषा संवर्धन कैंप के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के लिए विशेष शैक्षणिक गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देश की विविधता, विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना था। कैंप के दौरान इतिहास प्रवक्ता जयप्रकाश ने विद्यार्थियों को डिजिटल बोर्ड के माध्यम से चित्रों सहित भारत के प्रमुख पर्वतों, पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों और ऐतिहासिक स्मारकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि हिमालय पर्वतमाला भारत की प्राकृतिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है और गंगा, यमुना तथा ब्रह्मपुत्र जैसी अनेक जीवनदायिनी नदियों का उद्गम स्थल भी है। साथ ही नर्मदा, गोदावरी और अन्य प्रमुख नदियों के सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

महेंद्रगढ़। बच्चों को जानकारी देते हुए। फोटो: हरिभूमि

वंश पिलानिया ने बेहतर पर्यावरण के संकल्प के साथ किया पौधों का दान

आर्यव्रत सेवा न्यास ने किया वृहद पौधरोपण व वितरण

प्रकृति के संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

संपूर्ण विश्व में 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर प्रकृति के संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सामाजिक सरोकारों में सदैव अग्रणी रहने वाली संस्था 'आर्यव्रत सेवा न्यास' द्वारा एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल की गई। न्यास द्वारा पर्यावरण की शुद्धता और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के संकल्प के साथ एक वृहद वृक्ष एवं पौधरोपण तथा दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया के बेटे वंश पिलानिया ने मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त और हरा-भरा बनाने के पावन उद्देश्य से खुद आगे बढ़कर बड़ी संख्या में छायादार, फलदार और औषधीय पौधों का दान किया।

पौधे वितरित करते हुए वंश पिलानिया ने युवाओं और समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे केवल पौधा लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि उसके वृक्ष बनने तक उसकी पूरी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी उठाएं।

नारनौल। पौध वितरण करते वंश पिलानिया। फोटो: हरिभूमि

यह दिया संदेश

प्रकृति का संतुलन बनाए रखना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज हमारे द्वारा रोपा गया एक छोटा सा पौधा कल आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध हवा और स्वस्थ जीवन का उपहार देगा। आर्यावर्त सेवा न्यास का यह प्रयास समाज में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने का एक छोटा सा कदम है। इस मौके पर सचिन बापडोली, प्रदीप चंदेला, डॉ. रवि, आकाश बाछोद, योगेश कोरियावास, बंटी नसीबपुर, संदीप बॉक्सर, अनिल यादव, राकेश यादव मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। आर्यव्रत सेवा न्यास के इस प्रयास को स्थानीय निवासियों द्वारा खूब सराहा गया और लोगों ने इस बात का संकल्प लिया कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएंगे।

बुचौली स्कूल में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, लगाए 31 पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुचौली में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य धर्मवीर सिंह ने किया।

इको क्लब इंचार्ज प्रवक्ता ममता के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में 31 छायादार एवं फलदार पौधे रोपित किए गए। पर्यावरण चेतना जगाने के लिए विद्यार्थियों ने पेड़ लगाओ-पर्यावरण बचाओ, जल है तो कल है, प्लास्टिक को ना कहें जैसे नारों के साथ गांव की गलियों में जागरूकता रैली निकाली। कार्यक्रम के तहत स्कूल में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। शिक्षकों और बच्चों ने मिलकर पूरे परिसर की साफ-सफाई की। साथ ही पर्यावरण संरक्षण रैली निकाली।

इस अवसर पर प्राचार्य धर्मवीर सिंह, ममाज टीम सदस्य एवं स्वास्थ्यकर्मी मुकेश चौहान, सरपंच अलका यादव, डॉ. पूनम, एएनएम सोनू, ग्राम सचिव निशा कुमारी, इको क्लब इंचार्ज प्रवक्ता ममता, मा. कर्मवीर, मा. मनोज, जितेन्द्र, दीपक तंवर व नरेश विशेष रूप से उपस्थित रहे और पौधारोपण में सहयोग किया।

महेंद्रगढ़। विद्यालय में पौधरोपण करते हुए। फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

पंडित उमराव लाल की 19वीं पुण्यतिथि मनाई

महेंद्रगढ़। एमडीएस आईटीआई जाटवास के प्रांगण में पंडित उमराव लाल की 19वीं पुण्यतिथि मनाई। उनके बड़े पुत्र बाबूलाल शर्मा व मातादीन शर्मा ने उनकों माल्यार्पण कर पगड़ी पहनाई। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच का संचालन विकास शर्मा ने किया। संस्था चेयरमैन मातादीन शर्मा ने अपने पिता पंडित उमराव लाल के जीवन पर प्रकाश डाला व प्रसाद का वितरण किया गया।

वेदों की ओर लौटने का दिया संदेश

मंडी अटेली। तिगरा-भौड़ी का आर्य समाज मंदिर परिसर में शनिवार को दो दिवसीय वेद प्रचार वार्षिक उत्सव का आगाज यज्ञ-हवन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाशय लालचंद आर्य ने की, जबकि मंच संचालन धर्मवीर विद्यार्थी ने संभाला। जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर सिंह और अटेली मंडी मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर उत्सव का शुभारंभ किया।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जागरूकता शिविर लगा

महेंद्रगढ़। आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिगड़ी में केंद्र एवं राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएचसी सेहलंग के चिकित्सक डॉ. आशीष द्वारा की गई। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही है, इसलिए हमें उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

महेंद्रगढ़। डोर टू डोर नशा मुक्त अभियान के तहत पुलिस की विशेष टीम ने गांव रिवासा और जांजड़ियावास का दौरा कर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। टीम ने गांव रिवासा के बस स्टैंड और गांव जांजड़ियावास के शिव मंदिर में आमजन को नशे के दुष्प्रभावों को जानकारी देते हुए नशे के खिलाफ जागरूक किया। इस दौरान विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहकर एक स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

मृत्यु भोज का आयोजन नहीं कर दिया संदेश

सतनाली मंडी। समाज सुधार की दिशा में पहल करते हुए गांव नंगला में इंस्पेक्टर रणजीत सिंह शेखावत के निधन के उपरांत परिवार ने मृत्यु भोज का आयोजन न कर सामाजिक संदेश दिया। राजपूत सभा महेंद्रगढ़ के पूर्व प्रधान सवाई सिंह राठौड़ ने बताया कि रणजीत सिंह शेखावत के पुत्र व पूर्व सरपंच प्रदीप सिंह ने पगड़ी रस्म के दौरान 10 रुपये स्वीकार किए तथा गांव में एक कमरा बनवाने की घोषणा की।

पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में राधिका सैनी प्रथम

नारनौल। राजकीय महिला महाविद्यालय में पर्यावरण विषय को लेकर पोस्टर मेकिंग व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में राधिका सैनी प्रथम, अनीता द्वितीय व इशा तीसरी स्थान पर रही। स्लोगन कंपटीशन में राधिका सैनी प्रथम, दीप्ति द्वितीय व खुशबू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भारत निर्माण युवा दल की ओर से लगा साप्ताहिक चरित्र निर्माण एवं प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

अनेकता में एकता की वजह से बार-बार आक्रमण होने के बाद भी भारत की हस्ती कभी नहीं मिटी : ममता यादव

■ कनीना क्षेत्र के गांव भडफ में किया गया आयोजन

कनीना क्षेत्र के गांव भडफ में भारत निर्माण युवा दल की ओर से आयोजित साप्ताहिक चरित्र निर्माण एवं प्रशिक्षण शिविर के छठे दिन शनिवार मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव ने शिरकत की। शिविर में पहुंचने पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह यादव एवं प्रबंधन समिति द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। शिविर में उपस्थित 'दल वीरों' को संबोधित करते हुए ममता यादव ने राष्ट्रवाद की अलख जगाई। उन्होंने कहा, राष्ट्र कोई निर्जीव वस्तु या सिर्फ ज़मीन का टुकड़ा नहीं है, बल्कि एक जीवंत आत्मा है। जब तक हमारे भीतर राष्ट्र के प्रति संवेदना और ज़िंदादिली है, तब तक हमारा राष्ट्र जीवित है। जिस दिन नागरिक के भीतर से देशभावना मर गई, समझो उस दिन राष्ट्र का अंत हो गया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सदियों के आक्रमणों के बाद भी भारत की हस्ती कभी नहीं मिटी, और इसकी सबसे बड़ी वजह हमारी 'अनेकता में एकता' है।

युवा शक्ति को अनूठा सूत्र

युवा शक्ति को परिभाषित करते हुए उन्होंने एक बेहद अनूठा और तार्किक सूत्र दिया। उन्होंने कहा, युवा शब्द को अगर उल्टा कर दिया जाए तो वह 'वायु' (हवा) बनता है। हवा जिस तरह नया जीवन भी दे सकती है और तूफ़ान बनकर विनाश भी कर सकती है, ठीक वैसी ही ऊर्जा हमारे युवाओं में है। अगर युवा को सही दिशा न मिले तो वह विनाश की राह पर चलकर आतंकवाद की ओर बढ़ सकता है, लेकिन अगर उसे सही संस्कार और मार्गदर्शन मिले, तो वह देश की सीमा पर खड़ा होकर सैनिक बनता है। हवा का सही उपयोग किया जाए तो बिजली बनती है, ठीक वैसे ही युवा ऊर्जा का सही इस्तेमाल भारत को फिर से विश्वगुरु बनाएगा। उन्होंने इस बात की पुरजोर सराहना की कि भारत निर्माण युवा दल जैसे संगठन आज के युवाओं को भटकाव से बचाकर राष्ट्र निर्माण की सही दिशा दे रहे हैं।

नारनौल। शिविर में आईं ममता यादव को प्रदर्शनी का अवलोकन करवाते अभिमन्यु सिंह यादव। *फोटो: हरिभूमि*

दलवीरों के भीतर आई राष्ट्रभक्ति की नई ऊर्जा

कार्यक्रम के समापन पर भारत निर्माण युवा दल के संस्थापक अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह यादव ने मुख्य वक्ता ममता यादव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ममता यादव का ओजस्वी और प्रेरणादायी उद्बोधन शिविर में भाग ले रहे प्रत्येक दलवीर के भीतर राष्ट्रभक्ति की एक नई ऊर्जा फूंक गया है। उन्होंने युवा और वायु का जो सूत्र दिया है, हमारा संगठन ठीक उसी दिशा में काम करते हुए युवाओं की ऊर्जा को देश की तरक्की में लगाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इतिहास और संस्कारों से लें प्रेरणा

ममता यादव ने युवाओं में राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास का संचार करते हुए महर्षि विश्वामित्र और भगवान श्रीराम के प्रसंग का ज़िक्र किया कि कैसे बचपन के संस्कार ही आगे चलकर असुरों के नाश और धर्म की स्थापना का आधार बने। इसके साथ ही उन्होंने वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के अदम्य साहस और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर व मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के संघर्षों को याद किया। उन्होंने कहा कि आज का युवा सोशल मीडिया पर समय नष्ट न करे, बल्कि इसका उपयोग देश को तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि देश को जोड़ने और सकारात्मकता फैलाने के लिए करे।

विशेष जल संरक्षण अभियान के तहत घर-घर पहुंच रही हैं टीमें

नसीबपुर में काटे आठ अवैध पेयजल कनेक्शन, नोटिस भी किए गए जारी

पानी की बर्बादी करने वालों के खिलाफ की जाएगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नारनौल। अवैध कनेक्शन काटती विभागीय टीम। *फोटो: हरिभूमि*

गर्मी के बढ़ते प्रकोप से बचाव के लिए समुचित मात्रा में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से जिले में विशेष जल संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षक अभियंता एसपी जोशी ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत जिलेभर में विशेष जल संरक्षण अभियान के तहत शनिवार को नसीबपुर क्षेत्र में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की संयुक्त टीम की ओर से अवैध पेयजल कनेक्शनों तथा पेयजल की बर्बादी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल आठ कनेक्शन काटे गए। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से पहले से ही घर घर जाकर लोगों को अवैध कनेक्शन हटाने तथा पेयजल का दुरुपयोग न करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को जेई नरेश कुमार, जेई अभिषेक कुमार तथा बीआरसी इंद्रजीत के नेतृत्व में विभागीय टीम ने कार्रवाई करते हुए आठ अवैध पेयजल कनेक्शन काटे। इस दौरान टीम ने घर घर जाकर बिल का भुगतान न करने वाले, अवैध कनेक्शन रखने वाले तथा पेयजल की बर्बादी करने वाले उपभोक्ताओं को नोटिस भी जारी किए। इस मौके पर बीआरसी इंद्रजीत, जेई नरेश कुमार, जेई अभिषेक कुमार, सुपरवाइजर संजय, फीटर महिपाल, राजेश, पंप चालक अजीत, सुरेंद्र, प्रदीप, नरेंद्र व जितेंद्र सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अभियान के तहत गांवों का सर्वे कर अवैध कनेक्शन धारकों को नोटिस दिए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अवैध कनेक्शन स्वयं हटा लें अन्यथा उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी उपभोक्ताओं से अपने नलों पर टोंटी लगाने, पेयजल से बाग बगीचों की सिंचाई न करने तथा पेयजल पाइपलाइन में किसी प्रकार की लीकेज न रहने देने की अपील की गई है, ताकि पानी की गुणवत्ता एवं उपलब्धता बनी रहे। पेयजल व सीवर संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए विभाग के टोल फ्री नंबर 18001805678 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है।

आठ टीमें दें रही जल संरक्षण का संदेश

जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जा रहे जल संरक्षण अभियान के तहत सर्वेक्षण कर अवैध कनेक्शन रखने वाले लोगों को नोटिस दिए जा रहे हैं। जिले के सभी खंडों में बीआरसी के नेतृत्व में आठ टीमें इस अभियान में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि पेयजल संरक्षण को लेकर विभागीय टीमें लगातार घर घर पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रही हैं। विभिन्न गांवों में जिला उपायुक्त एवं अधीक्षक अभियंता के नेतृत्व में यह अभियान प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है।

महेंद्रगढ़। मरीजों की जांच करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

नवजीवन अस्पताल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

■ 60 से अधिक लोगों ने कराई जांच, मुफ्त दवाएं भी मिलीं

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

राव तुलाराम चौक स्थित नवजीवन अस्पताल के द्वारा गांव मालड़ा सराय में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा 60 से अधिक लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच निःशुल्क करवाई एवं मुफ्त दवाइयों का लाभ प्राप्त किया। शिविर में नवजीवन अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सोनू यादव एवं महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीषा यादव द्वारा मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।

इसके साथ ही मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान सामान्य रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, महिला स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं अन्य बीमारियों की निःशुल्क जांच की गई। चिकित्सकों ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने के लिए प्रेरित किया।

शिविर लगते रहेंगे

इस अवसर पर नवजीवन हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. उमेश तंवर बसई भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना नवजीवन हॉस्पिटल की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अस्पताल द्वारा समय-समय पर ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। ग्रामीणों ने नवजीवन हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य जांच शिविर समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए, जिससे आमजन को अपने गांव में ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। अंत में ग्रामीणों ने नवजीवन हॉस्पिटल की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की बैठक

नारनौल। अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ की ब्लॉक इकाई की बैठक का आयोजन नागरिक अस्पताल में किया गया। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान संतोष ने की, जबकि कोषाध्यक्ष हेमलता सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष भूपेश पालीवाल मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए आगामी कार्यक्रमों तथा संगठन की भावी रणनीति को लेकर कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श किया। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और अधिक कर्मचारियों को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया।

डीसी को स्वयं लेना चाहिए था ज्ञापन : राधेश्याम शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

राधेश्याम शर्मा।

पूर्व विधायक एवं इनेलो के राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य राधेश्याम शर्मा ने कहा है कि एक जून को रोहतक के उपायुक्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन देते समय जो कुछ घटित हुआ, उसमें विधायक अर्जुन सिंह चौटाला की गलती नजर नहीं आती है। वे उपायुक्त को ज्ञापन देने के लिए गए थे और उपायुक्त ज्ञापन लेने नहीं आया, जबकि उनको आना चाहिए था। अर्जुन सिंह चौटाला का यह कहना बिल्कुल ठीक है कि प्रोटोकॉल के हिसाब से विधायक मुख्य सचिव के बराबर होता है और जब तक मुख्य सचिव बैठने के लिए नहीं कहते तब तक ये उपायुक्त कुर्सी पर बैठते नहीं है। अधिकारियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वे जनसेवक हैं। उपायुक्तों की यह हिम्मत राजनेताओं के आपसी कलह के कारण ही हुई है। अब राजनेताओं को जो भी सत्ता पक्ष में उनको यह समझ लेना चाहिए कि तुम भी विधायक बनकर ही सत्ता में आए हो कल दूसरे भी आ सकते हैं। चाहे किसी भी दल का मुख्यमंत्री हो उनको आदेश जारी कर देना चाहिए कि उपायुक्त किसी भी अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन दिए जाए।

टारगेट डिफेंस एकेडमी में मेधावियों का सम्मान

■ एकेडमी के 27 बच्चों का हुआ एयरफोर्स व आर्मी में चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

टारगेट डिफेंस एकेडमी में आर्मी भर्ती और एयरफोर्स भर्ती में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकेडमी चेयरमैन एवं पंचायत समिति सदस्य कैलाश शास्त्री ने की। एकेडमी के कुल एयरफोर्स में 12 और आर्मी में कुल 15 बच्चों का विभिन्न पदों पर चयन होने पर चयनित विद्यार्थियों को फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया, वहीं उनके अभिभावकों को पगड़ी पहनाकर सम्मान दिया गया। कैलाश शास्त्री ने कहा कि सफलता निरंतर मेहनत और अनुशासन से प्राप्त होती है। उन्होंने बच्चों से अपने माता पिता के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर परिश्रम करते रहने का आह्वान किया।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

दे रहे मार्गदर्शन

कार्यक्रम में एकेडमी मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर चिराग ने एकेडमी की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक संस्थान लगभग 200 युवाओं को नेवी, एयरफोर्स, आर्मी में चयनित करवा चुका का है। उन्होंने कहा कि एकेडमी का लक्ष्य युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन देकर शत प्रतिशत परिणाम देना है और इस दौरान उन्होंने लेफ्टिनेंट पद पर चयनित विद्यार्थियों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। समारोह में अभिभावकों, विद्यार्थियों और अध्यापक ने भाग लिया तथा चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुरीतियों को मिटाने में आर्य समाज का रहा है बड़ा योगदान : मोहित चौधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। सांसद के पुत्र मोहित को सम्मानित करती आर्य समाज कमेटी।

सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में लगाए गए सात दिवसीय आर्या वीरांगना चरित्र निर्माण शिविर का समापन संगठन की जिला प्रभारी वंदना यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें सांसद धर्मबीर के पुत्र मोहित चौधरी व समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा मौजूद रहे। कार्यक्रम में युवाओं को एकता तथा कुरीतियां मिटाने में योगदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता युवाओं की शिक्षा और जागरूकता पर निर्भर होता है, लेकिन पश्चिमी देशों की संस्कृति का प्रभाव बढ़ने से अपराधों का ग्राफ बढ़ गया। भारतीय संस्कृति की गरिमा धूमिल होने लगी है। बचाव के लिए आर्य समाज ने गांव वाइज युवा चरित्र निर्माण शिविर लगाने का प्रपोजल तैयार किया है। योजना के मुताबिक सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में आर्या वीरांगना चरित्र निर्माण कैंप लगाया गया। सात दिवसीय आवासीय शिविर में छात्राओं को आत्मरक्षा करने का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षित छात्राओं ने तीरंदाजी का प्रदर्शन किया। इसके बाद छात्राओं ने भारतीय संस्कृति, नशोखोरी उन्मूलन तथा दहेज प्रथा के दुष्परिणामों पर आधारित नाटक प्रस्तुत किए। इस मौके पर आर्य समाज के संरक्षक दयाराम यादव, प्रबंधक निदेशक अमित यादव, जिला प्रधान धर्मबीर आर्य, नांगल चौधरी कमेटी के प्रधान महात्मा राधेश्याम, अमर सिंह मेहरानिया, बिरेंद्र सिंह, प्राचार्य राजेश कुमार मौजूद रहे।

उपलब्धि खामपुरा, खासपुर और सिहमा क्षेत्र में किया गया दूध उत्पादन मूल्यांकन

दुग्ध उत्पादन में सिहमा के कर्ण सिंह की गाय सबसे आगे, 12 किलो 340 ग्राम दिया दूध

■ देसी नस्ल की गाय ने दुग्ध उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

खंड सिहमा के निवासी कर्ण सिंह पुत्र प्रभाती लाल ने पशुपालन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनकी देसी नस्ल की गाय ने दुग्ध उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। खास बात यह है कि यह गाय एक माह की बछिया की मां भी है, जो इस उपलब्धि को और अधिक खास बनाती है। यह उपलब्धि पशु अस्पताल के अंतर्गत आने वाले खामपुरा, खासपुर और सिहमा क्षेत्र में किए गए दूध उत्पादन मूल्यांकन के दौरान दर्ज की गई। आयोजित मूल्यांकन में विभिन्न पशुपालकों की गायों के दूध उत्पादन का निरीक्षण किया गया, जिसमें कर्ण सिंह की गाय ने 12 किलो 340 ग्राम दूध देकर सभी को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया।

मंडी अटेली। विजेता गाय के साथ खड़े पशुपालक। *फोटो: हरिभूमि*

25 हजार की प्रोत्साहन राशि मिलेगी

इस उपलब्धि की पुष्टि वेटरनरी सर्जन डॉ. राजपाल द्वारा तैयार की गई आधिकारिक रिपोर्ट में की गई है। रिपोर्ट के आधार पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा कर्ण सिंह को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।विभाग का यह कदम पशुपालकों को बेहतर नस्ल के पशु पालने और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। स्थानीय ग्रामीणों और पशुपालकों ने कर्ण सिंह को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। उनका कहना है कि इस तरह की प्रतियोगिताएं और प्रोत्साहन योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गौरतलब है कि हरियाणा सरकार द्वारा पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से पशुपालकों को आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। कर्ण सिंह की यह सफलता इन्हीं प्रयासों का एक सकारात्मक परिणाम मानी जा रही।

सभी प्रवेश मेरिट के आधार पर होंगे: प्रो. डॉ. राजवीर सिंह

कॉलेजों में ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया तेज, 15 जून तक कर सकते हैं आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले के सभी सरकारी एवं निजी महाविद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र के लिए स्नातक कक्षाओं में दाखिला प्रक्रिया जारी है। जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस वर्ष विद्यार्थियों में दाखिले को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। जिले के सभी महाविद्यालयों में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है और अब तक सभी कॉलेजों में आवेदनों का सत्यापन कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

विद्यार्थियों को 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर दिया गया है, जिसके बाद आगे की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। जिला महेंद्रगढ़ के महाविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रही है। कई पाठ्यक्रमों में सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होने से प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि सभी प्रवेश केवल मेरिट के आधार पर ही किए जाएंगे, जिससे चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रहेगी।

15 जून के बाद बनेगी मेरिट सूची

प्रो. डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद सभी आवेदनों का पुनः सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद मेरिट सूची तैयार की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी सभी प्रवेश पूरी तरह मेरिट आधारित होंगे। किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रखी गई है। उन्होंने बताया कि मेरिट सूची जारी होने के बाद विद्यार्थियों को उनके अंकों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा और निर्धारित सीटों के अनुसार ही दाखिला प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

राजकीय महाविद्यालय नारनौल में सर्वाधिक उत्साह

जिले के सबसे बड़े एवं प्राचीन राजकीय महाविद्यालय में इस बार विद्यार्थियों का विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की ओर से विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किए जा रहे हैं। प्रो. राजवीर सिंह ने बताया कि कॉलेज में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों की बढ़ती रुचि शिक्षा के प्रति जागरूकता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि बेहतर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कारण विद्यार्थी इन संस्थानों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन स्थिति

पाठ्यक्रम का नाम	कुल सीटें	कुल आवेदन	आवेदन प्रतिशत
बैचलर ऑफ आर्ट्स	660	732	110 प्रतिशत
बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन	40	85	212 प्रतिशत
बैचलर ऑफ कॉमर्स	240	172	71 प्रतिशत
बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन	40	181	452 प्रतिशत
बैचलर ऑफ साइंस लाइफ साइंसेज	160	268	167 प्रतिशत
बैचलर ऑफ साइंस फिजिकल साइंसेज	400	412	103 प्रतिशत

सीयूईटी के अभ्यार्थी 12 तक कर सकते हैं पंजीकरण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवदेन प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए सीयूईटी (पीजी) 2026 के अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से 12 जून तक पंजीकरण कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की मानविकी एवं सामाजिक अध्ययन पीठ के अंतर्गत आठ विभागों में दाखिले के अवसर उपलब्ध हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का कहना है कि विषय चाहे राजनीति विज्ञान हो, समाजशास्त्र हो, मनोविज्ञान हो या फिर पत्रकारिता एवं जनसंचार सभी वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सामाजिक बदलावों को जानने-समझने में मददगार होते हैं। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पीठ हमें सामाजिक स्वरूप को समझने के लिए उपयोगी विषयों के साथ-साथ अंग्रेजी, हिंदी व संस्कृत जैसी भाषाओं का अध्ययन करने का अवसर भी प्रदान करती है। इस पीठ के अंतर्गत उपलब्ध सभी पाठ्यक्रम रोजगार व स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त करते हैं। विश्वविद्यालय की दाखिला समिति के डॉ. सुमित कुमार ने बताया कि मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पीठ में राजनीति विज्ञान विभाग में एमए राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी विभाग में एमए अंग्रेजी व मनोविज्ञान विभाग में एमए साइक्लॉजी, पीजी डिप्लोमा इन रिहेब्लिटेशन साइक्लॉजी, एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग एमए इतिहास, समाजशास्त्र विभाग में एमए समाजशास्त्र के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अध्ययन के लिए उपलब्ध है। इसी क्रम में पीठ के अंतर्गत पत्रकारिता एवं जनसंचार में एम.ए पत्रकारिता एवं जनसंचार, हिंदी विभाग में एमए हिंदी, एमए हिंदी अनुवाद व संस्कृत विभाग में एमए संस्कृत की पढ़ाई का विकल्प विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि इन सीटों पर दाखिले सीयूईटी 2026 के माध्यम से होंगे और आवेदक दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

बाछौद में आज लगेगा नेत्र जांच शिविर

मंडी अटेली। तिरंगा चौक स्थित पंचायत भवन बाछौद में सिद्ध सेवा धाम के तत्वावधान में सात जून को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जाएगा। शिविर में रेवाड़ी अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं देंगे। जानकारी देते हुए पवन यादव बाछौदिया ने बताया कि महंत अनिल पुरोहित के सानिध्य में आयोजित इस शिविर में आंखों की निःशुल्क जांच की जाएगी। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे व दवाइयां भी दी जाएंगी। आयोजकों ने ग्रामीणों से अपील है कि आंखों से संबंधित किसी भी समस्या के लिए सुबह समय पर तिरंगा चौक पंचायत भवन पहुंचकर शिविर का लाभ उठाएं।

खेड़ी तलवाना गांव से गाय चोरी, मामला दर्ज

कनीना। सदर थाना के अंतर्गत आने वाले गांव खेड़ी तलवाना से गाय चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पशुपालक की शिकायत व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव खेड़ी तलवाना निवासी नत्थूराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी करीब तीन साल की दूधारू गाय, जिसे उन्होंने गांव की फिरनी में छोड़ा हुआ था, जो सुबह अचानक लापता हो गई। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पता चला कि दोपहर करीब सवा एक बजे कुछ अज्ञात व्यक्ति उनकी गाय को जबरन एक सफेद रंग की टाटा गाड़ी में लादकर ले जा रहे हैं। गाय की कीमत 10 हजार रुपये है।

नारनौल के कई कमर्शियल भवन सुरक्षा मानकों से दूर

फायर एनओसी बिना चल रहे कई होटल, बड़े हादसे की आशंका बरकरार

आग लगी तो लोगों को बचना होगा मुश्किल !

राजकुमार ⏭ नारनौल

शहर के कई होटल और कमर्शियल भवन घनी आबादी वाले क्षेत्रों तथा तंग गलियों में बने हुए हैं। इनमें से अनेक तीन से चार मंजिला इमारतें हैं, जहां आग लगने की स्थिति में लोगों को बाहर निकालना और फायर ब्रिगेड का समय पर पहुंचना बेहद कठिन साबित हो सकता है।

दिल्ली में हाल ही में तंग गलियों के बीच बने एक होटल में हुई भीषण आगजनी की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। होटल के संकरे रास्तों और गुफानुमा कमरों के कारण लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला और करीब 21 देशी-विदेशी पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद सवाल उठने लगे हैं कि लोग जिले में ऐसे किसी हादसे से सुरक्षित हैं या नहीं।

अलग खबर

यदि जिले के होटलों, गेस्ट हाउसों और अन्य व्यावसायिक भवनों की स्थिति पर नजर डालें तो हालात चिंताजनक दिखाई देते हैं। शहर के कई होटल और कमर्शियल भवन घनी आबादी वाले क्षेत्रों तथा तंग गलियों में बने हुए हैं। इनमें से अनेक तीन से चार मंजिला इमारतें हैं, जहां आग लगने की स्थिति में लोगों को बाहर निकालना और फायर ब्रिगेड का समय पर पहुंचना बेहद कठिन साबित हो सकता है। जिले के अधिकांश होटल और व्यावसायिक भवन फायर सेफ्टी नियमों का पूरी तरह पालन नहीं कर रहे। कई स्थानों पर अग्निशमन उपकरण या तो मौजूद नहीं हैं या उनकी वैधता अवधि समाप्त हो चुकी है। ऐसे में यदि आग लगने की घटना होती है तो शुरुआती स्तर पर आग पर काबू पाना मुश्किल हो सकता है।

नारनौल। फायर स्टेशन में खड़ी आग बुझाने वाली गाड़ियां। फोटो : हरिभूमि

चार फायर स्टेशनों की जिम्मेदारी एक अधिकारी पर

जिले की फायर व्यवस्था भी संसाधनों और मानवबल के दबाव से जूझती दिखाई देती है। वर्तमान में फायर अधिकारी राजवीर सिंह के पास नारनौल सहित जिले के चारों फायर स्टेशनों का प्रभार है। ऐसे में सभी क्षेत्रों की नियमित निगरानी और निरीक्षण कर पाना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि फायर विभाग को नियमित निरीक्षण अभियान चलाकर बिना एनओसी संचालित हो रहे होटलों और व्यावसायिक भवनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही भवन मालिकों को आपातकालीन निकास, अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म और अन्य सुरक्षा मानकों को अनिवार्य रूप से लागू करना चाहिए। दिल्ली की हालिया त्रासदी ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि आग लगने के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है पहले से तैयारी करना। सवाल यह है कि क्या नारनौल और महेंद्रगढ़ प्रशासन इस चेतावनी से सबक लेगा या फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जाएगा?

नियमों के पालन में दिख रही ढिलाई

शहर के कई भवन मालिकों और होटल संचालकों पर फायर सेफ्टी नियमों की अनदेखी के आरोप लगते रहे हैं। दूसरी ओर, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी बनी रहती है कि आगजनी की घटनाओं या नियमों के उल्लंघन के मामलों में अक्सर केवल नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी कर दी जाती है। कड़ी कार्रवाई कम ही देखने को मिलती है। विशेषज्ञों का मानना है कि फायर सेफ्टी केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि जन सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। यदि समय रहते सुरक्षा मानकों को लागू नहीं किया गया तो किसी भी आपात स्थिति में जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है।

एनओसी करीब दस के पास ही

फायर ब्रिगेड विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में संचालित होटलों में से केवल नौ-दस होटलों के पास ही वैध फायर एनओसी और आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध है। शेष होटल एवं कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के संचालित हो रहे हैं। विभाग द्वारा करीब छह माह पूर्व अनेक होटलों और कमर्शियल भवनों को नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन उसके बाद कार्रवाई की गति बेहद धीमी रही।

पहले भी हो चुके हैं बड़े हादसे

नारनौल में आगजनी की घटनाओं का इतिहास भी कम चिंताजनक नहीं है। पिछले वर्ष लघु सचिवालय स्थित डीआईओ कार्यालय में भीषण आग लग गई थी, जो कई घंटों तक नहीं बूझ पाई थी और आधा दर्जन गाड़ियां फायर ब्रिगेड की लगाने के बावजूद कार्यालय खाक होने से नहीं बच पाया था। इससे कंप्यूटरों, इंटरनेट आदि से जुड़ी सामान का लाखों रुपये का नुकसान हुआ था। वहीं इससे पहले सिंघाना रोड स्थित एक दुपहिया वाहन एजेंसी के बेसमेंट में लगी आग ने प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल दी थी। आग इतनी भयावह थी कि फायर कर्मियों को बेसमेंट तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बाद में वहां रखे गैस सिलेंडरों के फटने से नुकसान और बढ़ गया। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि भवनों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया तो भविष्य में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

नारनौल। भाजपा कार्यालय भवन। फोटो : हरिभूमि

नमो कमल होगा भाजपा जिला कार्यालय का नाम, कल सीएम करेंगे उद्घाटन

- समारोह को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने के लिए संगठन स्तर पर व्यापक तैयारियां की

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भाजपा का जिला कार्यालय भवन का नाम नमो कमल रखा गया है। यह भवन शहर में नूनी शेखपुरा रोड पर है। इस भवन का विधिवत उद्घाटन आठ जून रविवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता की ओर से किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में भाजपा हरियाणा के प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, सह प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र नागर, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव, प्रदेश कार्यालय निर्माण प्रमुख हरविंद्र कोहली सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता भाग लेंगे।

इस संबंध में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8:15 बजे हवन यज्ञ के साथ होगा। इसके उपरांत प्रातः 8:45 बजे जनसभा आयोजित की जाएगी। समारोह को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने के लिए संगठन स्तर पर व्यापक तैयारियां की गई हैं तथा जिले के सभी मंडलों, शक्ति केंद्रों व बूथों से कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि यातायात व्यवस्था की सुगमता के लिए सरस्वती स्कूल नसीबपुर, हुडा मार्केट सेक्टर क्षेत्र व राधा स्वामी मैरिज पैलेस में पार्किंग की विशेष व्यवस्था की गई है। जहां से कार्यक्रम स्थल निकट स्थित है।

जिले में तेज हवा के साथ हुई हल्की बूंदाबांदी

नारनौल। जिले मौसम परिवर्तनशील बना रहा। सुबह से ही आंशिक बादल वाही देखने को मिली। वहीं दोपहर बाद जिले में आंधी अंधड़ के साथ हल्की बारिश तथा बूंदाबांदी की गतिविधियों को दर्ज किया गया। जिले में अधिकतर स्थानों महेंद्रगढ़, नारनौल, अटेली, कनीना, सतनाली सहित नांगल चौधरी ने हल्की बारिश व बूंदाबांदी हुई। जिसमें नारनौल में 2.5 एमएम, जबकि महेंद्रगढ़ में 3.5 एमएम बारिश दर्ज हुई है, साथ ही सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन और रात का तापमान क्रमशः 39.0, 22.5 डिग्री सेल्सियस तथा 39.4 व 24.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि आगामी दिनों में लगातार मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा और तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, क्योंकि 10 जून को कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आठ से 11 जून के दौरान तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इसके बाद 12 जून को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा।

सरेली सीमेंट पोल फैक्ट्री में मजदूर की मौत

मारपीट कर पिता की हत्या करने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

निजामपुर थाना क्षेत्र के गांव सरेली स्थित एक सीमेंट पोल फैक्ट्री में काम करने वाले बिहार निवासी मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मृतक के बेटे ने फैक्ट्री परिसर में घुसकर मारपीट करने व उसके पिता की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में बिहार के बांका जिले के गांव लखपुरा निवासी समर यादव ने बताया कि उसके पिता मिलु यादव गांव सरेली स्थित सीमेंट पोल फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। उनके साथ मुकेश यादव और अजय कुमार भी फैक्ट्री में कार्यरत थे। समर यादव के अनुसार उसे मुकेश यादव ने फोन कर बताया कि बीती रात करीब 9:30 बजे गांव सरेली निवासी मनीश, अजय, दीपक, विनोद, जयप्रकाश और दिनेश फैक्ट्री के अंदर घुस आए तथा खाना बना रहे उसके पिता और अन्य मजदूरों के साथ झगड़ा व मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि मारपीट के दौरान मिलु यादव की ठोड़ी व शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें लगी, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। शिकायत मिलने के बाद समर यादव शनिवार को नागरिक अस्पताल पहुंचा, जहां उसने मोर्चरी में रखे अपने पिता के शव की पहचान की। उसने पुलिस को लिखित शिकायत देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया

केस दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

पुलिस को डायल-112 पर सूचना मिली थी कि सरेली गांव स्थित पोल फैक्ट्री में एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस व एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायल व्यक्ति को उपचार के लिए नागरिक नारनौल ले जाया गया। हालांकि उस समय मौके पर कोई शिकायतकर्ता या प्रत्यक्षदर्शी नहीं मिला था। इसके बाद अस्पताल से पुलिस को मृतक संबंधी सूचना प्राप्त हुई। मृतक के परिजनों के नहीं पहुंचने के कारण तत्काल कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकी। शनिवार को मृतक के बेटे की ओर से शिकायत देने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। निजामपुर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 190, 191(2), 103(1) व 333 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के लिए सीन ऑफ क्राइम टीम को भी बुलाने के निर्देश दिए हैं।

पीएनबी शाखा में ग्राहक की जेब से 50 हजार रुपये निकाले

नारनौल। नांगल चौधरी कस्बे में स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा में एक ग्राहक की जेब से 50 हजार रुपये निकाल लिए। शिकायत मिलने के बाद नांगल चौधरी थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव अकबरपुर निवासी रूपचंद ने बताया कि वह सुबह करीब 11 बजे पंजाब नेशनल बैंक नांगल चौधरी में अपने खाते से पैसे निकलवाने के लिए गया था। उसने अपने बैंक खाते से कुल 69 हजार रुपये निकाले थे। रूपचंद के अनुसार उसने 50 हजार रुपये की एक गड्डी अपनी जेब में रख ली थी, जबकि शेष 19 हजार रुपये जेब में रखने लगा। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी जेब से 50 हजार रुपये निकाल लिए। रूपचंद ने बताया कि जब उसे रुपये गायब होने का पता चला तो उसने तुरंत बैंक प्रबंधन को इसकी सूचना दी। इसके बाद बैंक के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। फुटेज में एक व्यक्ति उसकी जेब में हाथ डालकर रुपये निकालता हुआ दिखाई दिया। पीड़ित ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने व चोरी हुई राशि बरामद कर उसे वापस दिलाने की मांग की है।

सैनी सभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आज

नारनौल। सैनी सभा के नवनिर्वाचित प्रधान, उप प्रधान, महासचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित कुल 21 पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को रविवार को आयोजित होने वाले समारोह में शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही सभा के सभी कॉलेजियम सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस संबंध में चुनाव अधिकारी संदीप सैनी एडवोकेट ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह सात जून को शाम चार बजे सैनी सभा की रेवाड़ी रोड स्थित धर्मशाला परिसर में आयोजित किया जाएगा। समारोह के दौरान नव निर्वाचित पदाधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ लेंगे। उन्होंने बताया कि सभी कॉलेजियम सदस्यों को समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए चुनाव कार्यालय की ओर से सूचना दे दी गई है। कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

पैसे मांगने पर व्यक्ति को बंधक बनाकर पीटा

कनीना। थाना शहर के अंतर्गत धोखाधड़ी, मारपीट और बंधक बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दो आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भड़फ गांव के रहने वाले पीड़ित सतीश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है। तीन साल पहले उसने बैंक से लोन लेकर तथा अपने एक साथी से उधार लेकर रमेश कुमार निवासी सरस्वती पब्लिक स्कूल भड़फ को चार लाख रुपये उधार दिए थे। इसके बदले में रमेश कुमार ने उसे एक चेक दिया था। पीड़ित के अनुसार जब उसने 16 अप्रैल को अपने पैसे वापस मांगे, तो रमेश कुमार ने उसे चेक लेकर अपने स्कूल आने को कहा। शिकायतकर्ता जब चेक लेकर स्कूल पहुंचा, तो वहां रमेश कुमार व उसके भतीजे रविकांत ने उसे एक कमरे में बंद कर दिया। आरोपितों ने पीड़ित के साथ बेरहमी से मारपीट की और उससे जबरन चेक छीनकर फाड़ दिया। आरोपितों ने सतीश को उधार दी गई रकम वापस न मांगने की सख्त हिदायत दी।

डेटा पीएम सूर्य घर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य, उच्चस्तर पर मॉनिटरिंग हो रही

महानिदेशालय ने मांगी रिपोर्ट

सरकारी स्कूलों में लगेंगे सोलर पावर प्लांट, डेटा एकत्र कर पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सरकारी भवन विशेषकर सरकारी स्कूलों में सोलर पावर प्लांट (सौर ऊर्जा संयंत्र) लगाने की प्रक्रिया में भविष्य में ओर तेजी देखने को मिल सकती है।

विद्यालय शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी सख्त आदेशों के बाद स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी एक आधिकारिक पत्र में प्रदेश के डीइओ व डीइइओ को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी सरकारी स्कूलों का डेटा 'पीएम सूर्य घर पोर्टल' पर अपलोड करने के निर्देश दिया गया है। यह आदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग हरेडा हरियाणा के उस पत्र के संदर्भ में जारी किया गया है, जिसमें सरकारी भवनों को सौर ऊर्जा से पूरी तरह लैस करने की योजना बनाई गई है।

जिले में त्वरित कार्रवाई शुरू, समय-सीमा तय

निदेशालय से आदेश प्राप्त होते ही जिला स्तर पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, नारनौल ने भी त्वरित पत्र जारी कर जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। आदेश के तहत सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ सभी स्कूल प्रभारियों, मुख्याध्यापकों और आहरण एवं वितरण अधिकारियों को तुरंत सक्रिय करें। स्कूलों को निदेशालय द्वारा निर्धारित परफॉर्मे सैंपल, फ्लो चार्ट और साइट सर्वे टेम्पलेट के अनुसार डेटा एकत्र कर पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इस पूरी प्रक्रिया को पूरा करके आगामी 3 दिनों के भीतर कार्य रिपोर्ट अनिवार्य रूप से जिला कार्यालय में जमा करानी होगी। स्कूलों से संबंधित सभी आवश्यक अवसंरचनात्मक डेटा 'पीएम सूर्य घर पोर्टल' पर अपलोड करना अनिवार्य है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस कार्य की सीधे उच्च स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। सरकार इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए पूरी तरह गंभीर है।

योजना का उद्देश्य और प्रभाव

इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना और बिजली के भारी-भरकम बिलों से राहत पाना है। स्कूलों की छतों पर सोलर प्लांट लगने से न केवल स्कूलों का वित्तीय बोझ कम होगा, बल्कि विद्यार्थियों को भी भीषण गर्मी के मौसम में बिजली कटौती से परेशान नहीं होना पड़ेगा। इसके साथ ही यह पहल राज्य में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में एक मील का पत्थर साबित होगी।

क्या कहते हैं डीइइओ

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा ने बताया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई अधिकारी या स्कूल प्रमुख इसमें लापरवाही बरतता है, तो किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026
रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्सा हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

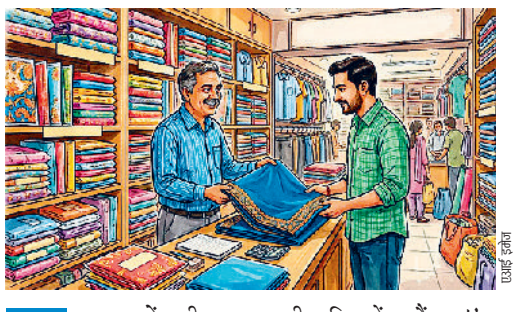

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

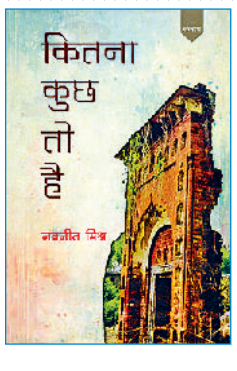

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखक:** नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

शिमला समर फेस्टिवल – 2026

सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सव: शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शन: शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

कलाकारों को मिलेगा अवसर: आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदान: यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम: शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है। *

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माण: टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करना: अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करना: वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारें: अकसर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करें: जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्ति: यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखें: सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलाव: समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगाम: अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएं: किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उसे क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है। *

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्ले: म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अकसर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपरा: ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेट: इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है। *

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

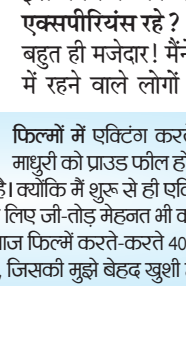

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है। *

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।